

a view to attain greater efficiency with less expenditure; and

(c) if not, the reasons therefor?

The Minister of Tourism and Civil Aviation (Dr. Karan Singh): (a) No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

Air-India Pilots

*1360. Shri Indrajit Gupta:
Shri Shiva Chandra Jha:
Shri Madhu Limaye:
Shri Sradhakar Sapkar:
Shri Molahu Prasad:
Shri Ram Sewak Yadav:
Shri S. M. Banerjee:

Will the Minister of Tourism and Civil Aviation be pleased to state:

(a) whether Mr. Salim Merchant's adjudication Award of the 5th July, 1967 in respect of Air-India Pilots has been implemented;

(b) if so, the extra annual expenditure since July, 1967;

(c) whether there are still any outstanding disputes between the pilots and the management; and

(d) if so, whether a new collective agreement will be negotiated to settle such disputes?

The Minister of Tourism and Civil Aviation (Dr. Karan Singh):

(a) The Award becomes enforceable on the expiry of 30 days of its publication.

(b) The extra expenditure has been estimated to be about Rs. 3 lakhs per annum.

(c) None at present.

(d) Does not arise.

I.A.C. Caravelle Flight between Palam and Dum Dum Airports

*1362. Shri Rabi Ray:
Shri Ram Sewak Yadav:
Shri George Fernandes:

Will the Minister of Tourism and

Civil Aviation be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there was a dislocation of IAC regular Caravelle flight between Palam and Dum Dum Airports on the 4th July, 1967;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) how many Indian and foreign passengers booked their seats in this aircraft;

(d) whether Government have received any complaint from any M.P. in this regard; and

(e) if so, the nature of the complaint and the reaction of Government thereto?

The Minister of Tourism and Civil Aviation (Dr. Karan Singh):

(a) and (b). The Caravelle flight IC-401 from Delhi to Calcutta on the 4th July, 1967, had to be cancelled due to technical difficulties.

(c) to (e). There were 36 Indians and 8 foreigners. A copy of a Call Attention Notice on this subject addressed by a Member to the Lok Sabha Secretariat was received in the Ministry. The matter has been enquired into and every precaution will be taken to avoid inconvenience to the travelling public.

Consumption of Fertilisers

*1363. Shri M. L. Sondhi: Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) the total consumption of various types of fertilisers, both indigenous and imported, during the last two years; and

(b) the quantities of fertilisers imported and the value of such imports, with names of countries during the last two years?

The Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Anasahib Shinde): (a) and (b). A

statement is laid on the Table of the Sabha. [Placed in Library. See No. LT-1175/87].

महाराष्ट्र में चीनी के कारखाने

- *1364. श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :
 श्री प्रकाशबीर शास्त्री :
 श्री शिव कुमार शास्त्री :
 डा० सूर्य प्रकाश पुरी :
 श्री रघुबीर सिंह शास्त्री :
 श्री रामाबतार शर्मा :
 श्री भ्रात्म दास :
 श्री हुकम चन्द कछवाय :
 श्री प्र० न० सोलंकी :
 श्री देवराव पाटिल :
 श्री जार्ज फरनेंडोज :
 श्री मधु लियये :
 श्री जे० ए० पटेल :
 श्री श्रीचरन :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि 1 जुलाई, 1967 से महाराष्ट्र के चीनी के कारखानों ने सरकार को चीनी बेचना बन्द कर दिया है,

(ख) यदि हा तो इस के क्या कारण है; और

(ग) इस मामले में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्रतापसिंह शिंदे) : (क) से (ग). महाराष्ट्र सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार, महाराष्ट्र के सहकारी कारखानों ने 2 जुलाई, 1967 को अर्थात् 28 जून 1967 को उत्तरी भारत के कारखानों के निकासी मूल्यों में संशोधन करने के तुरन्त बाद चीनी देना बन्द कर दिया था। उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि

जब तक उन के निकासी मूल्यों में भी वृद्धि नहीं की जाती तब तक वे चीनी नहीं देंगे। तब महाराष्ट्र के चीनी कारखानों के निकासी मूल्यों में परिसंशोधन नहीं किया जा सकता था क्योंकि इन कारखानों के कार्यचालन के अन्तिम परिणाम समय पर नहीं मिले थे। महाराष्ट्र के कारखानों के निकासी मूल्य 14 जुलाई, 1967 से परिशोधित किये गये थे और सहकारी कारखानों ने चीनी देने का निर्णय किया है।

खाद्याओं का समाहार

- *1365 श्री रामाबतार शर्मा :
 श्री भ्रात्म दास :
 श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :
 श्री प्रकाशबीर शास्त्री :
 श्री रघुबीर सिंह शास्त्री :
 डा० सूर्य प्रकाश पुरी :
 श्री शिव कुमार शास्त्री :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) केन्द्रीय सरकार तथा राज्य सरकारों ने हाल में किन दरों पर खाद्यान्न खरीदा ;

(ख) सरकार का विचार इस खाद्यान्न को किन दरों पर बेचने का है;

(ग) अब तक कितने खाद्यान्न का समाहार किया गया है तथा कितना खाद्यान्न खरीदने का प्रस्ताव है, और

(घ) समाहार किये गये खाद्यान्न की विक्री कब आरम्भ होगी और यह कितने समय तक दिया जाता रहेगा ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्रतापसिंह शिंदे) : (क) केन्द्रीय सरकार तथा राज्य सरकारों ने जिन मूल्यों पर खाद्यान्न अधिप्राप्त किए हैं, वे एक जैसे हैं। विभिन्न